UP TGT-PGT Daily Rank Booster, Hindi Day -13

ENTRI

GET IT ON Google Play

1. **बृहत्कथा नामक रचना के रचनाकार है:**

A हेमेंद्र

B सोमदेव

C **गुणाढ्य**

D विष्णु शर्मा

Solution

- बृहत्कथा गुणाढ्य द्वारा पैशाची भाषा में रचित काव्य है। 'वृहत्कथा' का शाब्दिक अर्थ है - 'लम्बी कथा'। इसमें एक लाख श्लोक हैं। इसमें पाण्डववंश के वत्सराज के पुत्र नरवाहनदत्त का चरित (कथा) वर्णित है।
- इसका मूल रूप प्राप्त नहीं होता किन्तु यह कथासरित्सागर, बृहत्कथामंजरी तथा बृहत्कथाश्लोकसंग्रहः आदि संस्कृत ग्रंथों में रूपान्तरित रूप में विद्यमान है। पंचतंत्र, हितोपदेश, वेतालपंचविंशति आदि कथाएँ सम्भवतः इसी से ली गयी हैं।

2. वैराग्यशतक के रचियता है-

A सोमदेव

B अश्वघोष

C **भर्तृहरि**

D कालिदास

Solution

- भर्तृहरि एक महान संस्कृत कवि थे। संस्कृत साहित्य के इतिहास में भर्तृहरि एक नीतिकार के रूप में प्रसिद्ध हैं। इनके शतकत्रय (नीतिशतक, श्रृंगारशतक, वैराग्यशतक) की उपदेशात्मक कहानियाँ भारतीय जनमानस को विशेष रूप से प्रभावित करती हैं।
- प्रत्येक शतक में सौ-सौ श्लोक हैं। बाद में इन्होंने गुरु गोरखनाथ के शिष्य बनकर वैराग्य धारण कर लिया था इसलिये इनका एक लोकप्रचलित नाम बाबा भरथरी भी है।

3. **कृष्णापत्र शब्द में संधि है -**

A अयादि संधि

B गुण संधि

C वृद्धि संधि

D दीर्घ संधि

Solution

दीर्घ संधि

कृष्ण+ पत्र = कृष्णापत्र

अ + अ = आ दीर्घ का अर्थ है-बड़ा। इस संधि में जब दो एक समान वर्ण (ह्रस्व या दीर्घ) पास- पास आते हैं, तो दोनों मिलकर उसी वर्ण का दीर्घ रूप बन जाते हैं। इसे दीर्घ संधि कहते हैं।

4. **'वैतनिक' का विलोम शब्द है:**

A आवैतनिक

B अवर्तनिक

C **अवैतनिक**

D अवैतानीका

Solution

- सहयोगी का विलोम शब्द अवैतनिक है।
- वैतनिक का अर्थ – वेतन पाने या लेनेवाला
- अवैतनिक का अर्थ – वेतन न पाने या लेनेवाला
- अन्य विकल्पों में वर्तनीगत अशुद्धियाँ हैं।

5. **‘कविता की परख’ साहित्य की कौन सी विधा है?**

A संस्मरण

B **निबंध**

C कविता

D कहानी

Solution

- ‘कविता की परख’ निबंध आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध है जिसमें इन्होंने कविता में उपमा-नियोजन के औचित्य, महत्व और उसकी उपयुक्तता-अनुपयुक्तता पर प्रकाश डाला है।
- लेखक के अनुसार उपमा की सार्थकता वर्ण्य-विषय के अनुरूप भावनाओं को तीव्रता प्रदान करने में है।
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिंदी आलोचक, निबन्धकार, साहित्येतिहासकार, कोशकार, अनुवादक, कथाकार और कवि थे।
- हिंदी में पाठ आधारित वैज्ञानिक आलोचना का सूत्रपात उन्हीं के द्वारा हुआ।
- हिंदी निबन्ध के क्षेत्र में भी शुक्ल जी का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

6. **‘सम्पत्ति’ शब्द का विलोम शब्द है-**

A विपत्ति

B धन

C कष्ट

D समस्या

Solution

दिये गये ‘सम्पत्ति’ शब्द का विलोम शब्द विकल्प A ' विपत्ति ' है अन्य सभी विकल्प असंगत है।

7. **निम्नलिखित में से कौन सा शब्द दिए गए शब्द का पर्यायवाची नहीं है, ज्ञात कीजिए।**

बाण

A शिलीमुख

B **अज**

C शायक

D शर

Solution

अज

- परिभाषा - नर बकरी
- वाक्य में प्रयोग - बकरा घास खा रहा है।
- समानार्थी शब्द - बकरा , छागल , छगल , छेर
- विलोम शब्द - अजा , बकरी , छागली , छगली

8. **इनमें से एक द्रविड़ परिवार की भाषा नहीं है।**

A तमिल

B बाहुई

C कन्नड़

D **एस्तोनी**

Solution

- एस्तोनी एक यूरालिक भाषा है और फिनिश भाषा की निकट से जुड़ी हुई है।
- एस्टोनियाई एस्टोनिया की आधिकारिक भाषा है, जो एस्तोनिया में रहने वाले 11 लाख लोगों के अलावा दुनिया के दूसरे हिस्सों में रहने वाले प्रवासी समूहों द्वारा बोली जाती है।

9. "हाड़ौती" बोली ..... उपभाषा के अन्तर्गत आती है।

A राजस्थानी

B कन्नड़

C पहाड़ी

D बिहारी

Solution

- "हाड़ौती" बोली "राजस्थानी" की उपभाषा के अन्तर्गत आती है।
- हिन्दी की अनेक बोलियाँ (उपभाषाएँ) हैं, भारत में कुल 17 बोलियाँ हैं, जिनमें अवधी, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुंदेली, बघेली, हड़ौती,भोजपुरी, हरयाणवी, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, मालवी, नागपुरी, मैथिली, खोरठा, पंचपरगनिया, कुमाउँनी, मगही आदि प्रमुख हैं।

10. **"हिंदी रीतिग्रंथों की अखंड परम्परा चिंतामणि त्रिपाठी से चली।" यह कथन किसका है?**

A रमाशंकर शुक्ल ‘रसाल'

B **आचार्य रामचंद्र शुक्ल**

C विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

D मिश्रबंधु

Solution

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल रीतिकाल का समय संवत् 1700 से 1900 तक मानते हैं।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'चिंतामणि' को रीतिकाव्य परंपरा का प्रवर्तक माना है।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'रीति' शब्द के व्यापक अर्थ को ग्रहण करते हुए उत्तरमध्यकाल को सर्वप्रथम 'रीतिकाल' नाम दिया।

ENTRI

GET IT ON Google Play